

लोगों को इस्लाम में परिवर्तित होने के लिए क्या चीज़ प्रेरित करती है? (2 में से 2 भाग)

रेटिंग:

विवरण:

श्रेणी: [लेख इस्लाम में कैसे परिवर्तित हों इस्लाम में कैसे परिवर्तित हों और मुसलमान कैसे बनें](#)

द्वारा: Based on an article at iqrasense.com

पर प्रकाशित: 04 Nov 2021

अंतिम बार संशोधित: 04 Nov 2021

कुरआन कई मौकों पर अपने मामलों में सोचने, प्रतबिंबित करने और वचिर करने के लिए बड़े पैमाने पर मानवता को चुनौती देता है। यह बलिकुल ऐसा ही है, जो कुरआन कहता है:

इस प्रकार हम उन लोगों के लिए आयतों (और उनके अर्थ) को वसितार से समझाते हैं जो गहन वचिर करते हैं। (यूनस, कुरआन 10:24)

क्या वे अपने स्वयं के बारे में गहराई से नहीं सोचते हैं? ईश्वर ने आकाशों और पृथ्वी को और जो कुछ उनके बीच है, उसे सत्य के साथ और नयित समय के लिए ही बनाया है। और वास्तव में बहुत से लोग अपने ईश्वर से मलिन के इन्कार करते हैं। (रूम, कुरआन 30:8)

वही है जसिने तुम्हारे लिए रात को ठहराया है कतिम उसमें आराम करो, और दनि को ठहराया चीजों को देखने के लिए। नःसिंदेह इसमें सुनने वालों के लिए नशानयिँ है। (यूनस, कुरआन 10:67)

क्या मनुष्य सोचता है कःउसे व्यर्थ छोड़ दिया जाएगा? (हशर, कुरआन 75:36)



·क्या तुमने सोचा था कि हमने तुम्हें खेल के लिए पैदा किया था, और तुम हमारे पास वापस नहीं लाए जाओगे?" (मूमनिून, कुरआन 23:115)

·या क्या आपको लगता है कि उनमें से अधिकतर सुनते या समझते हैं? वे केवल मवेशियों की तरह हैं; नहीं, वे मार्ग से और भी अधिक भटके हुए हैं। (अल-फुरकान, कुरआन 25:44)

·क्या वे विचार नहीं करते? उनके साथी (मुहम्मद) में कोई पागलपन नहीं है। वह एक सादे सचेतक है। (अल-अ'अराफ़, कुरआन 7:184)

·यदि हम इस कुरआन को किसी पहाड़ पर उतारते तो निश्चय ही तुम इसे ईश्वर के डर से लरज़ते और छिन्न-भिन्न होते हुए देखते। ऐसे उदाहरण हैं जिनमें हम मानव जाति के सामने रखते हैं ताकि वे गौर कर सकें। (हशर, कुरआन 59:21)

नए मुस्लिम धर्मांतरितों के कई मामलों का अध्ययन करते समय, हम देखते हैं कि आलोचनात्मक सोच और बौद्धिक तर्क में शामिल होने से लोगों ने अपने गैर-इस्लामी विश्वासों को बदल दिया है - वही धर्म जो पहले पहाड़ों को हिलाते थे, लेकिन इस्लाम की जड़ों में आसानी से सुना जा सकने वाली तर्क की आवाज से कमजोर हो गए थे। सोच और चिंतन की एक मात्र प्रक्रिया इतना प्रकाश डालती है कि यदि इस्लाम इसको प्रकाशित न करता तो इस्लाम विरोधी पंडितों और ताकतों के ध्यान भटकाने के कारण यह सदैव पर्दे में ही रहती। जो लोग केवल नकारात्मक को देखने पर तुले होते हैं, वे सत्य के प्रकाश को देखने में असफल हो जाते हैं। इसके बजाय, वे अपने पथभ्रष्ट दर्शन को असफल साबित करने के लिए कभी न खत्म होने वाले सतही विश्लेषण में संलग्न होते हैं।

मीडिया में कई आंकड़े हैं, जो उस अभूतपूर्व दर को उजागर करते हैं, जिस पर लोग इस्लाम में परिवर्तित हो रहे हैं। हालांकि, इस लेख के उद्देश्य के लिए इन सभी स्रोतों की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं की गई है, उनमें से कुछ निम्नलिखित हैं:

·"द अलमनेक बुक ऑफ़ फैक्ट्स" के अनुसार पिछले एक दशक में जनसंख्या में 137% की वृद्धि हुई। ईसाई धर्म में 46% की वृद्धि हुई, वहीं इस्लाम में 235% की वृद्धि हुई।

·अकेले अमेरिका में प्रतिवर्ष 100000 लोग इस्लाम में दाखिल हो रहे हैं प्रतिवर्ष पुरुष की तुलना में चार महिलाएं इस्लाम में शामिल हो रही हैं।

·टीवी रिपोर्ट: 4,000 जर्मन प्रतिवर्ष इस्लाम में शामिल हो रहे हैं।

·अकेले ब्रिटेन में लगभग 25,000 लोग इस्लाम में दाखिल हो रहे हैं।

...और भी कई उदाहरण मौजूद हैं।

मुसलमानों के बारे में क्या?

यदि इस्लाम की शक्तिशाली शक्ति की आवाज गैर-मुसलमानों को बड़ी संख्या में इस्लाम में वापस लाने का कारण बन रही है, तो ऐसा क्यों है कि धर्म ही में पैदा हुए इतने सारे मुसलमान आमतौर पर पूरी तरह से इस्लाम का पालन करने में विफल होते हैं, और परिणामस्वरूप धर्म की शक्तिशाली शक्ति का आनंद भी नहीं लेते हैं? तथ्य यह है कि यह कुछ मुसलमानों की ओर से आलोचनात्मक सोच और प्रतर्कना की कमी हो सकती है, जो मुस्लिम दुनिया को समग्र रूप से घटिया जीवन जीने के लिए मजबूर कर रही है। इस्लाम और इसकी शक्तिशाली शक्ति के लिए एक पूर्ण और शांतपूर्ण जीवन का वादा करती हैं। फिर भी मुसलमान बुनियादी बातों की अनदेखी करते हैं और सामाजिक और नैतिक मुद्दों में फंस जाते हैं, जिससे उन्हें और उनके परिवार को अनावश्यक पीड़ा और परेशानी का सामना करना पड़ता है। सच तो यह है कि अगर वे अपने धर्म की शक्तिशाली शक्ति पर विचार और चिंतन करेंगे तो ही वे अपने सामने आने वाली कई समस्याओं और चुनौतियों से बच सकते हैं।

संदेश

उन गैर-मुस्लिमों के लिए, जिन्होंने केवल इस्लाम की सतह को खरोंचा है और जो इस धर्म के गलत ध्वजवाहक हैं और मीडिया में पक्षपातपूर्ण आवाजों से विचलित हो रहे हैं, उनके लिए संदेश सरल है - एक आलोचनात्मक लेंस से इस्लाम की शक्तिशाली शक्ति को देखने का प्रयास करें। यह हो सकता है कि आप उससे अधिक कारण देख पाएं, जितनी आपने शुरू में सोची थीं कि वे मौजूद नहीं थीं। मुसलमानों के लिए, संदेश यह है कि कभी-कभी हम अपने धर्म की शक्तिशाली शक्ति की सराहना केवल इसलिए नहीं करते हैं, क्योंकि हम अपने परिचालन जीवन में कभी भी कुछ धार्मिक प्रथाओं से आगे नहीं बढ़ते हैं। अधिक सीखने, सोचने और गौर करने का एक केंद्रित प्रयास हमें धार्मिक शक्तिशाली शक्ति के करीब आने में मदद करेगा, जिससे हमारे जीवन में काफी सुधार हो सकता है।

इस लेख का वेब पता:

<https://www.islamreligion.com/hi/articles/1945>